



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

1 आषाढ़ 1932 (श0)  
(सं0 पटना 420) पटना, मंगलवार, 22 जून 2010

पथ निर्माण विभाग

अधिसूचना

25 जनवरी 2010

सं0 निग0/सारा-2(पथ)-42/2003 भाग-2-1255 (एस)—श्री गंगा शरण, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल सं0 2, गया सम्प्रति— निलंबित (अन्य मामले में भवन निर्माण विभाग द्वारा) के विरुद्ध पथ प्रमंडल सं0 2, गया के पदस्थापन काल में बुद्धिष्ट परिपथ में सड़कों के निर्माण कार्य में बरती गयी अनियमितताओं से संबंधित तकनीकी परीक्षक कोषांग, मंत्रिमंडल (निगरानी) विभाग के जांच प्रतिवेदन के आलोक में संकल्प ज्ञापांक 802 (एस), दिनांक 22 जनवरी 2007 द्वारा कुल 7 आरोपों के लिए विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी। संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जांच प्रतिवेदन में इनके विरुद्ध आरोप संख्या-7 को प्रमाणित तथा शेष आरोपों को अप्रमाणित पाया गया। संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जांच प्रतिवेदन के समीक्षोपरांत उक्त प्रमाणित आरोप के लिए विभागीय पत्रांक 11303 (एस), दिनांक 27 अगस्त 2008 द्वारा श्री शरण से द्वितीय कारण—पृच्छा की मांग की गयी।

2. श्री शरण के पत्रांक शून्य, दिनांक 01 सितम्बर 2008 द्वारा समर्पित द्वितीय कारण—पृच्छा उत्तर जिसमें उनके द्वारा मुख्यतः संचालन पदाधिकारी के समक्ष बचाव—बयान में अंकित तथ्य कि उनके कार्यकाल में पुनरीक्षित प्रावैधिक स्वीकृति से कम व्यय किया गया, के विभागीय समीक्षोपरांत पाया गया कि संचालन पदाधिकारी का प्रतिवेदन पूर्णतः विश्लेषित है। कोई भी प्राक्कलन exact नहीं हो सकता है। तदनुसार वास्तविक कार्य कराते समय प्राक्कलित राशि के विरुद्ध घट-बढ़ हो सकती है जिसके लिए सीमा निर्धारित है। इससे अधिक बढ़ोत्तरी होने पर पुनरीक्षित स्वीकृति की आवश्यकता होती है। वर्तमान मामले में मूल तकनीकी स्वीकृति एवं तदनुसार प्रशासनिक

स्वीकृति में approach slab की लंबाई अधिक रखी गयी और पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृति में उसकी लंबाई घटा दी गयी। जहाँ पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृति, प्रशासनिक स्वीकृति से radically different हो वहाँ प्रशासनिक स्वीकृति के विरुद्ध अनुज्ञेय सीमा relevant नहीं रह जाता है। फलतः श्री शरण द्वारा समर्पित द्वितीय कारण—पृच्छा उत्तर असंतोषजनक पाते हुए वर्ष 1995–96 के लिए निन्दन तथा संचयात्मक प्रभाव से दो वार्षिक वेतन—वृद्धि की रोक के दंड के प्रस्ताव पर सरकार के अनुमोदनोपरांत विभागीय पत्रांक 6443 (एस), दिनांक 16 जून 2009 द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग से परामर्श/सहमति की मांग की गयी। बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक 2126, दिनांक 15 दिसम्बर 2009 से प्राप्त परामर्श/सहमति में आयोग द्वारा दंड प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की गयी है। श्री गंगा शरण, कार्यपालक अभियंता सम्प्रति निलंबित को निम्न दण्ड संसूचित किया जाता है—

(क) संचयात्मक प्रभाव से इनकी दो वार्षिक वेतन—वृद्धि पर रोक लगायी जाती है।

(ख) वर्ष 1995–96 के लिए निन्दन।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

(ह0)—अस्पष्ट,

संयुक्त सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 420-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>